16

टूर्नामेंट का आयोजन

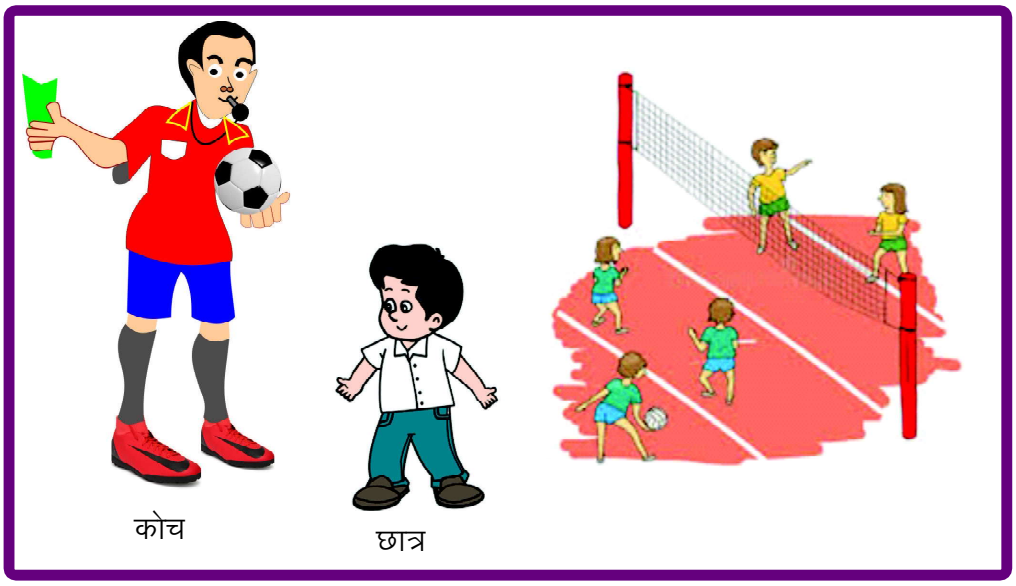

छात्र एवं कोच के बीच एक वार्तालाप को पढ़िए।

छात्रः सुप्रभात कोच!

कोचः सुप्रभात विकास!

छात्रः श्रीमान जी, क्या हम किसी टूर्नामेंट का आयोजन कर रहे हैं ?

कोचः जी हाँ, विकास, हम एक वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन कर रहे हैं।

छात्रः क्या आप मुझे बता सकते हैं कि टूर्नामेंट क्या होती है ?

कोचः हाँ, अवश्य! टूर्नामेंट खेलों या मैचों की एक ऐसी श्रृंखला है जिसका उपयोग किसी प्रतियोगिता के विजेता को तय करने के लिए किया जाता है।

टिप्पणी

छात्रः ओह!

कोचः खेलों में टूर्नामेंट का उपयोग प्रायः सीजन के समापन पर लीग के चैंपियन की ताजपोशी के लिए किया जाता है।

छात्रः धन्यवाद, कोच

प्रिय छात्रों, इस पाठ में आप टूर्नामेंट के अर्थ, परिभाषा और महत्व, टूर्नामेंट के प्रकार के बारे में सीखेंगे और यह भी जानेंगे कि टूर्नामेंट का आयोजन किस प्रकार किया जाता है।

उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के पश्चात् आपः

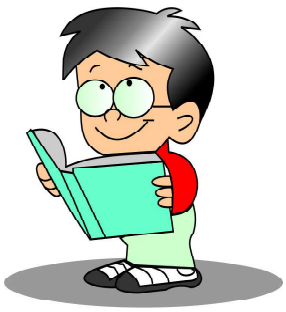

- टूर्नामेंट के अर्थ, परिभाषा और महत्व की व्याख्या कर सकेंगे
- टूर्नामेंट के विभिन्न प्रकारों तथा फिक्सचर तैयार करने की विधि का वर्णन कर सकेंगे।
- यह जान सकेंगे कि टूर्नामेंट का आयोजन किस प्रकार किया जाता है तथा
- इंट्राम्यूरल्स और एक्स्ट्राम्यूरल्स का वर्णन कर सकेंगे।

16.1 टूर्नामेंट का अर्थ एवं परिभाषाएँ

टूर्नामेंट खेलों या मैचों की ऐसी श्रृंखला है जिसका उपयोग प्रतियोगिता के विजेता को तय करने के लिए किया जाता है। खेलों में टूर्नामेंट का उपयोग प्रायः सीज़न के समापन पर लीग के चैंपियन की ताजपोशी के लिए किया जाता है। टूर्नामेंट का आयोजन सामान्यतः कम समयावधि के लिए किया जाता है। खेल आयोजनों के अलावा पोकर, रमी और ब्रिज जैसे कार्ड गेम्स के लिए प्रायः टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है। टूर्नामेंट का प्रारूप एडवांसमेंट तथा एलिमिनेशन के लिए मेचअप और मानदंडों को इंगित करता है।

क्या आप जानते हैं ?

''जॉन कैनोन्स डिक्शनरी ऑफ ब्रिटिश हिस्ट्री'' के अनुसार टूर्नामेंट का आरंभ सैन्य

टिप्पणी

प्रतियोगिताओं के रूप में हुआ था। पहली टूर्नामेंट घुड़सवारी और सैन्य प्रतियोगिताएँ थीं जो यूरोप में वर्ष 1000 के आसपास आयोजित की गई थीं।

> ''टीमों या खिलाड़ियों कें लिए एक प्रतिस्पर्धा जिसमें खेलों की एक श्रंखला का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक खेल के विजेता एक–दूसरे के खिलाफ़ तब तक खेलते हैं जब तक केवल एक विजेता न रह जाए।''
>
> ''ऐसी प्रतिस्पर्धा जिसमें एकल खेल या गेम में अनेक प्रतिद्वंदी शामिल होते हैं टूर्नामेंट कहलाती है।''

टूर्नामेंट में भाग लेना खिलाड़ी की क्षमताओं को प्रमाणित करता है।

- टूर्नामेंट खेल कौशलों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है।
- टूर्नामेंट किसी विशेष गेम या खेल को लोकप्रिय बनाने का शक्तिशाली माध्यम है।
- टूर्नामेंट और अधिक प्रयास करने तथा जीवन के लिए सबसे बड़ा स्त्रोत है।
- टूर्नामेंट किसी विशेष गेम और खेल को लोकप्रिय बनाने का शक्तिशाली माध्यम है।
- टूर्नामेंट, लोगों को खेलों की ओर प्रेरित करते हैं।
- प्रतियोगिताएँ/स्पर्धाएँ तथा टूर्नामेंट लोगों को स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करती हैं।
- टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के स्तर की निगरानी करने और उपलब्धियों के मानकों का मूल्यांकन करने में सहायता मिलती है।
- टूर्नामेंट में भाग लेने से खिलाड़ियों को राहत का अनुभव होता है।
- टूर्नामेंट/स्पर्धाएँ पैसा कमाने का बड़ा माध्यम बन गई हैं।

16.2 टूर्नामेंट के प्रकार

टूर्नामेंट कई प्रकार की है – कुछ महत्वपूर्ण टूर्नामेंट को नीचे सूचीबद्ध किया गयाा है।

नॉकआउट टूर्नामेंट–नॉक आउट टूर्नामेंट में टीम तय कार्यक्रम के अनुसार तब तक आगे के मैच खेलना जारी रखती है जब तक वह हार नहीं जाती है।

टिप्पणी

नॉक आउट टूर्नामेंट

सांत्वना पहला तथा दूसरा प्रकारः इस प्रकार का टूर्नामेंट एकल नाक आउट टूर्नामेंट की तुलना में बहुत बेहतर है क्योंकि हारने वाली टीम को अन्य हारे हुए खिलाड़ियों के साथ खेलने का एक और अवसर मिलता है।

डबल नॉक आउटः इस प्रकार के टूर्नामेंट में हारने वाली प्रत्येक टीम को विजेता टीम के साथ खेलने का एक और अवसर मिलता है।

बेगनाल–वाइल्ड नॉक आउटः यह टूर्नामेंट नॉक–आउट टूर्नामेंट के समान है। इसमें टीमों को प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान दिए जाते हैं।

लीग टूर्नामेंट– इस व्यवस्था में एक टीम को भाग लेने वाली अन्य सभी टीमों के साथ खेलना होता है। अतः मैचों की संख्या बढ़ जाती है।

कॉम्बीनेशन टूर्नामेंट

नॉकआउट–कम–नॉकआउट: जब किसी टूर्नामेंट में कई टीमें एक साथ भाग लेती है तो सबसे पहले टीमों को लॉट का ड्रॉ करके चार जोन में बराबर–बराबर बाँट दिया जाता है। यदि आवश्यक हो तो उनके पिछले प्रदर्शन पर भी विचार किया जा सकता है।

नॉकआउट–कम–लीग: इस प्रकार की टूर्नामेंट में विभिन्न टीमें अपने–अपने ज़ोन में नॉकआउट व्यवस्था के अतंर्गत खेलती है। तत्पश्चात् दूसरे चरण में प्रत्येक ज़ोन की विजेता टीम एक दूसरे के साथ लीग आधार पर मैच खेलती है।

लीग–कम–नॉकआउट: इस प्रकार की टूर्नामेंट में खेल की प्रक्रिया नॉक आउट–कम–लीग के विपरीत होती है।

लीग–कम–लीग: इस प्रकार की प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमें अपने अपने ज़ोन में लीग आधार पर मैच खेलती हैं।

चैलेंज टूर्नामेंट

लेडर टाइप: लेडर टाइप टूर्नामेंट का उपयोग बॉक्सिंग, जूडो टेबिल टेनिस, बैडमिंटन आदि जैसे व्यक्तिगत खेलों में रैंकिंग देने के लिए किया जाता है।

पिरामिड टाइप: यह लेडर विधि पद्धति टाइप टूर्नामेंट का उन्नत संस्करण है।

स्पाइडर वेब टाइप: इस विधि में पाँच या छह पिरामिड परस्पर जुड़कर एक स्पाइडर वैब सिस्टम बनाते हैं।

स्थान	खिलाड़ी	स्थान
1	A	
2	B	
3	C	
4	D	
5	E	
स्थान		स्थान

लेडर टाइप

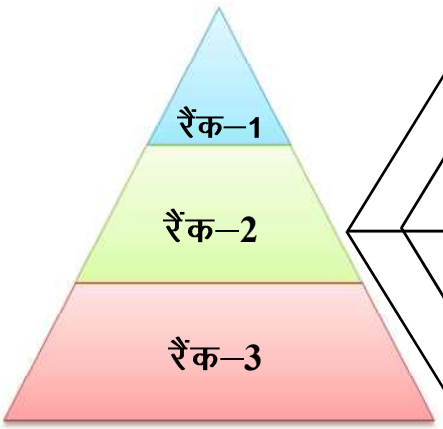

पिरामिड टाइप

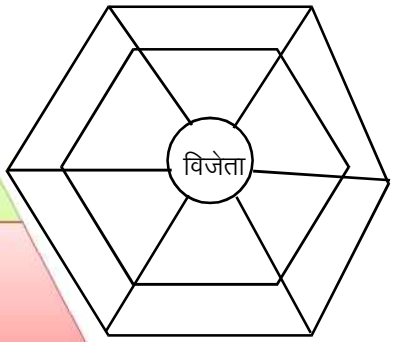

स्पाइडर वेब टाइप

टिप्पणी

क्या आप जानते हैं ?

रैंक–3 का खिलाड़ी रैंक–1 या रैंक–2 के खिलाड़ी को चुनौती दे सकता है। यदि वह जीत जाता है तो दोनों खिलाड़ियों की रैंक आपस में बदल जाएंगी।

चैलेंज टूर्नामेंट – इस पद्धति में निम्न वरीयता प्राप्त खिलाड़ी उच्च वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को चुनौती देते हैं। इस प्रकार चैलेंज राउंड अंतिम खिलाड़ी तक चलता है। इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन सामान्यतः कुश्ती, टेबिल टेनिस, बैडमिंटन, तीरंदाज़ी, स्क्वैश इत्यादि खेलों के लिए किया जाता है।

पाठगत प्रश्न 16.1

1. टूर्नामेंट का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
2. टूर्नामेंट के प्रकारों को सूचिबद्ध कीजिए।
3. टूर्नामेंट के महत्व की व्याख्या कीजिए।
4. राउंड रॉबिन टूर्नामेंट की व्याख्या कीजिए।

16.2.1 फिक्सचर तैयार करने की प्रक्रिया

हम कह सकते हैं कि

'फिक्सचर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की एक सुनियोजित प्रक्रिया है। फिक्सचर को टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों के शेड्यूल तथा प्रतियोगिता की कार्यवाही को तय करने वाली विधियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

यहां हम मुख्य फिक्सचर प्रक्रिया के दो प्रकारों पर चर्चा करेंगे।

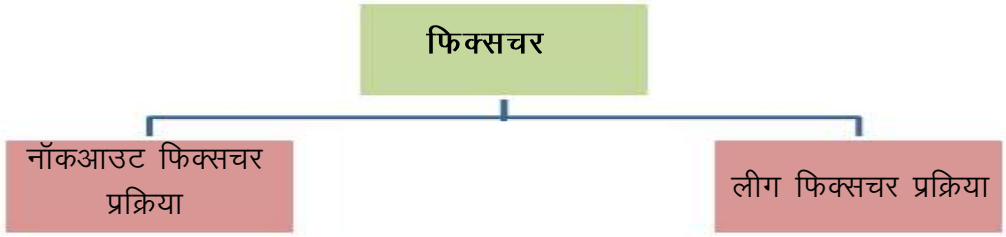

नॉकआउट फिक्सचर विधि: इस प्रकार के फिक्सचर में टीम पराजित हो जाने के तुरंत बाद टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इसमें फिक्सचर विधि के अन्य प्रकारों की अपेक्षा मैचों की संख्या कम होती है, अतः इसका आयोजन आसान है।

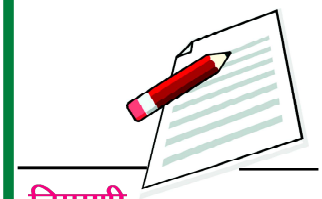

टिप्पणी

क्या आप जानते हैं ?

टूर्नामेंट की सफलता पूर्णरूप से उपयुक्त फिक्सचर पर निर्भर होती है। टूर्नामेंट फिक्सचर की विभिन्न संरचनाओं में खेली जाती है। फिक्सचर तैयार करने का अर्थ है, टीमों के बीच प्रतियोगिताओं की व्यवस्था/प्रबंध करना।

''फिक्सचर, शारीरिक गतिविधि के उद्देश्य से आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं के लिए टीमों को विभिन्न समूहों में व्यवस्थित क्रम में रखने की प्रक्रिया है।''

16.2.2 नॉक–आउट फिक्सचर की विधि

सबसे पहले हमें ऊपरी अर्ध तथा निम्न अर्ध में टीमों की संख्या निर्धारित करनी होंगी।

यदि टीमों की संख्या एक सम संख्या है तब:

ऊपरी अर्ध में टीमों की संख्या होगी: $-\frac{n}{2}$

12 टीमों के लिए

ऊपरी अर्ध में टीमें $=\frac{n}{2}=\frac{12}{2}=6$

अर्थात, ऊपरी अर्ध में 6 टीमें तथा निम्न अर्ध में 6 टीमें होंगी

यदि टीमों की संख्या एक विषम संख्या है तब:

ऊपरी अर्ध में टीमें: $=\frac{n+1}{2}$

निम्न अर्ध में टीमें: $=\frac{n-1}{2}$

13 टीमों के लिए

ऊपरी अर्ध में टीमों की संख्या $=\frac{n+1}{2}=\frac{13+1}{2}=\frac{14}{2}=7$

टिप्पणी

निम्न अर्ध में टीमें $= \frac{n-1}{2} = \frac{13-1}{2} = \frac{12}{2} = 6$

अर्थात् ऊपरी अर्ध में 7 एवं निम्न अर्ध में 6 टीमें होंगी।

यदि टीमों की संख्या 2,4,8,16,32, ... हैं तब 'बाई' की आवश्यकता नहीं होती है।

i) टीमों की कुल संख्या = 4

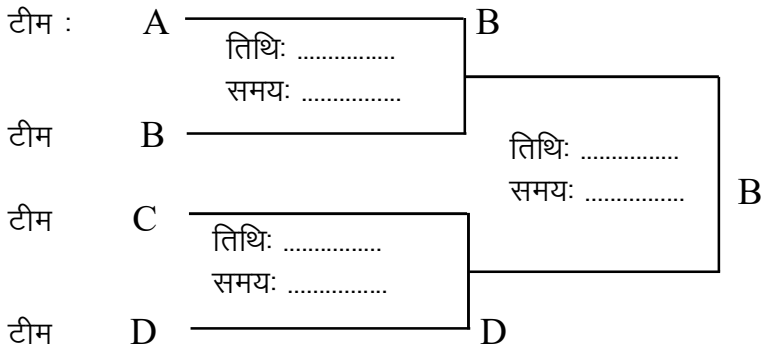

व्याख्याः मैंच टीम A तथा टीम B के बीच खेला गया। विजेता टीम B

मैंच टीम C तथा टीम D के बीच खेला गया। विजेता टीम D

अंतिम मैंच टीम B तथा टीम D के बीच हुआ। विजेता टीम B

राउंड I राउंड II

ii) टीमों की कुल संख्या =8

टीम A

टीम B

टीम C

टीम D

टीम E

टीम F

टीम G

टीम H

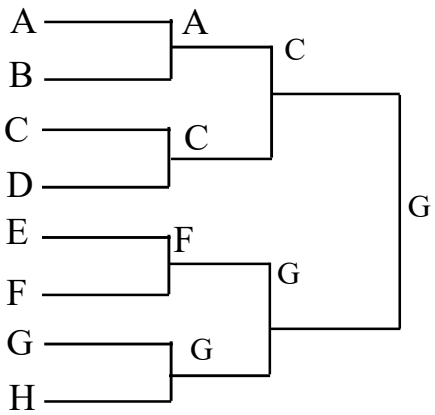

टिप्पणी

व्याख्याः पहले राउंड में A तथा B के मध्य खेला गया मैच A द्वारा जीता गया। पहले राउंड में C तथा D के मध्य खेला गया मैच C द्वारा जीता गया। पहले राउंड में E तथा F के मध्य खेला गया मैच F द्वारा जीता गया। पहले राउंड में G तथा H के मध्य खेला गया मैच G द्वारा जीता गया। दूसरे राउंड में A तथा C के मध्य खेला गया मैच C द्वारा जीता गया। दूसरे राउंड में F तथा G के मध्य खेला गया मैच G द्वारा जीता गया। अंतिम मैच C तथा G के मध्य खेला गया तथा G विजेता टीम रही।

बाई (Bye) किसी टीम को मिलने वाली ऐसी सुविधा है जिसके कारण वह पहले राउंड में नहीं खेलती है। सामान्यतः किसी टीम को 'बाई' लॉटस सिस्टम के द्वारा दी जाती है।

यदि टीमों की संख्या 2 की पावर में नहीं है तब हम दूसरी विधि का अनुसरण करेंगे।

हमें 'बाई' निर्धारित करनी होगी।

बाई का सूत्रः

टीमों की कुल संख्या के अनुसार 2 की अगली पावर–टीमों की कुल संख्या

उदाहरणः

टीमों की कुल संख्या के अनुसार 2 की अगली पावर	टीमों की कुल संख्या	बाईज़ की संख्या
8	7	1
16	11	5
32	21	11

टीमों को बाइज़ का आबंटन

पहली बाई निम्न अर्ध की अंतिम टीम को दी जाएगी। दूसरी बाई ऊपरी अर्ध की पहली टीम को दी जाएगी। तीसरी बाई ऊपरी अर्ध की अंतिम टीम को दी जाएगी तथा चौथी बाई निम्न अर्ध की पहली टीम को दी जाएगी। इसके बाद इसी पैटर्न का अनुसरण किया जाएगा।

टीमों की कुल संख्या =11 (विषम संख्या)

ऊपरी अर्ध में टीमों की संख्या $= \frac{n+1}{2} = \frac{11+1}{2} = \frac{12}{2} = 6$

बाइज़ की संख्या = 16–11=5

टिप्पणी

टीमें R_1 R_2 R_3 फाइनल (अंतिम मैच)

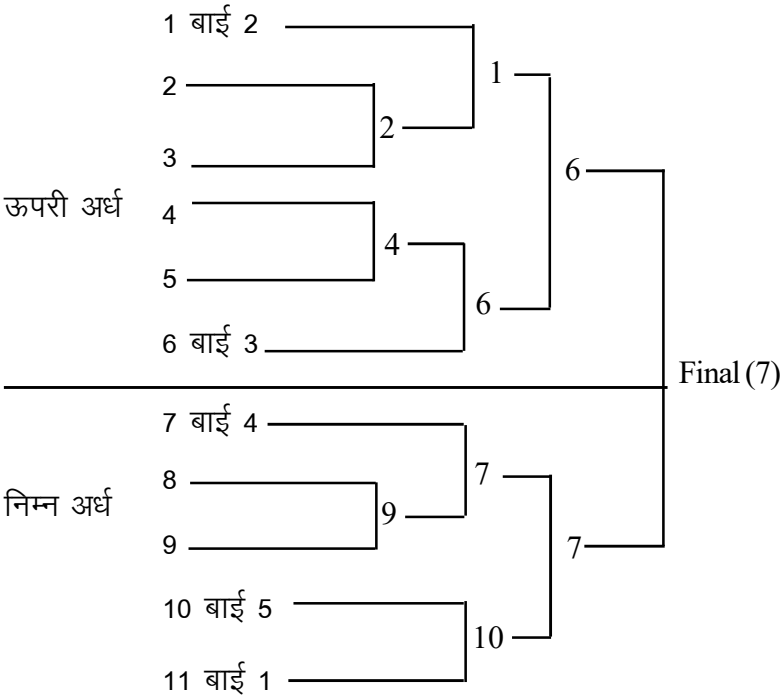

टीमों की कुल संख्या = 6 (सम संख्या)

ऊपरी अर्ध में टीमों की संख्या $= \frac{n}{2} = \frac{6}{2} = 3$

बाइज़ की संख्या = 8 – 6 = 2

टीमें R_1 R_2 फाइनल

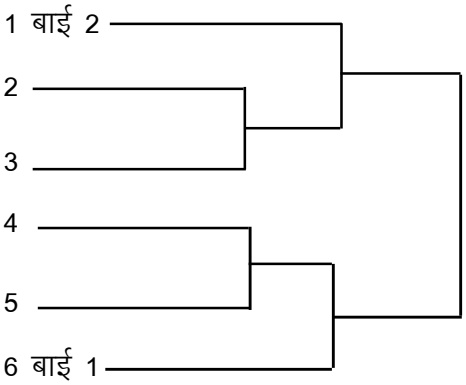

R = राउंड

नॉकआउट फिक्सचर विधि के लाभ

कम खर्चीला	कम समय की आवश्यकता	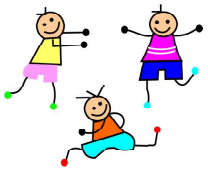 खिलाड़ियों को थकान कम होती है।	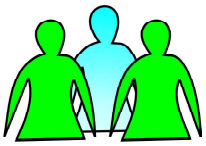 कम संख्या में आयोजकों की आवश्यकता

नॉकआउट फिक्सचर विधि की हानियाँ

खिलाड़ियों पर अत्यधिक दबाव	अच्छी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो सकती है।	खलाड़ियों का चयन कठिन होता है।

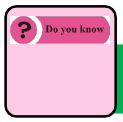

क्या आप जानते हैं ?

"बाई":– बाई किसी टीम को पहले राउंड के लिए दी जाने वाली एक विशेष सुविधा है जिसके कारण उसे पहले राउंड में खेलने से छूट मिल जाती है और वह सीधे दूसरे राउंड में प्रवेश कर जाती है।

सीडिंग (Seeding): सीडिंग कुछ विशेष टीमों अथवा ऐसी टीमों खिलाड़ियों को दी जाती है जो पिछले वर्ष की टूर्नामेंट की विजेता या द्वितीय स्थान पर रही हो।

विशेष सीडिंग: इस प्रकार की सीडिंग में सीडेड खिलाड़ी बिना कोई मैच खेले सीधे ही क्वार्टर या सेमीफाइनल में भाग लेते हैं।

16.2.3 एकल लीग अथवा राउंड रॉबिन

एकल लीग अथवा राउंड रॉबिन फिक्सचर में प्रत्येक टीम टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी टीमों के साथ खेलती है।

मैंचों की संख्या निर्धारित करने के लिए सूत्र (7 टीमें):

टिप्पणी

मैचों की कुल संख्या = n(n-1)/2 = 7(7-1)/2= 7(6)/2= 42/2= 21 मैच

पहला राउंड	दूसरा राउंड	तीसरा राउंड	चौथ राउंड	पांचवा राउंड	छठा राउंड
A-B					
A-B	B-C				
A-B	B-D	C-D			
A-B	B-E	C-E	D-E		
A-B	B-F	C-F	D-F	E-F	
A-B	B-G	C-G	D-G	E-G	F-G

लीग फिक्सचर विधिः इस प्रकार के फिक्सचर में प्रत्येक टीम टूर्नामेंट में भाग ले रही अन्य टीमों के साथ कम–से–कम एक बार अवश्य खेलती है यदि यह एकल लीग फिक्सचर टूर्नामेंट है। परंतु डबल लीग फिक्सचर टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम मैच में जीत या हार के विचार के बिना खेलती है।

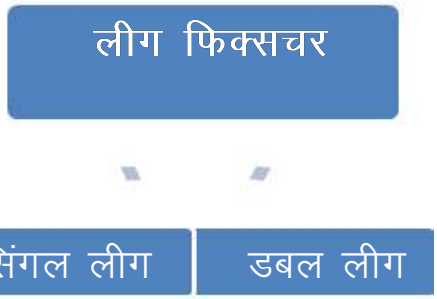

सिंगल लीग में 7 टीमों का फिक्सचर जहाँ टीमों को A से G तक अक्षरों से निरुपित किया गया है। मैचों की संख्या 21 है। विजेता टीम को 2 अंक दिए जाते हैं, हारने वाली टीम को कोई अंक नहीं और ड्रॉ होने पर 1 अंक दिया जाता है। टूर्नामेंट के विजेता का फैसला करने के लिए अंतिम स्कोर की तुलना की जाती है।

क्रियाकलाप 16.1

- 8 टीमों के लिए लीग फिक्सचर बनाइए

लीग फिक्सचर विधि के लाभ

कुशल खिलाड़ियों का चयन बहुत आसान है।	मज़बूत टीम जीत सकती है।	खिलाड़ियों की रूचि	कमियों पर काबू पाना

लीग फिक्सचर विधि की हानियाँ

समय की अधिक खपत	बहुत अधिक चोट	जटिल स्कोरिंग	खिलाड़ियों तथा दर्शकों की कम रूचि

पाठगत प्रश्न 16.2

1. नॉकआउट फिक्सचर के लाभ स्पष्ट कीजिए।

   .....

2. सीडिंग किसे कहते हैं?

   .....

3. विशेष सीडिंग क्या है?

   .....

16.3 टूर्नामेंट का आयोजन किस प्रकार किया जाए

टूर्नामेंट से पहले की तैयारी

A-आयोजन को अंतिम रूप देने के बाद हम एक बजट भी तैयार करते हैं तथा तिथि और स्थल को अंतिम रूप देते हैं।

B-उपकरण तथा खेल के मैदान की व्यवस्था

C-भाग लेने वाली टीमों को टूर्नामेंट की जानकारी देना।

D-फिक्सचर तैयार करना तथा आयोजनों के लिए नियम तथा कानून बनाना।

टिप्पणी

E-छात्रों एवं रेफ्री के लिए आवास का प्रबंध

F-ट्रॉफी, पदक, प्रमाणपत्र इत्यादि का प्रबंध

G-परिवहन की व्यवस्था

टूर्नामेंट के दौरान तैयारी

A-टूर्नामेंट को शुरु करने से पहले सभी उपकरणों तथा खेल के मैदान में सुविधाओं की जाँच करना।

B-सभी खिलाड़ियों तथा अन्य अधिकारियों की पात्रता की जाँच करना।

C-खिलाड़ियों को चोट लगने पर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना।

D-मैच का परिणाम, स्कोरशीट तथा प्रैस विज्ञाप्ति तैयार करना।

E-अधिकारियों की सुचारु कार्य प्रणाली तथा फिक्सचर के आधार पर आयोजित किए गए मैचों का निरीक्षण तथा जाँच करना।

F-अधिकारियों तथा खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट (जलपान), भोजन तथा यातायात की सुविधा उपलब्ध कराना

G-दर्शकों के बीच अनुशासन बनाए रखना

टूर्नामेंट के बाद की तैयारी

A-प्रस्थान करने वाली टीम को चेक करना, सिक्योरिटी मनी तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों को वापस करना।

B-पोज़िशन पाने वाले खिलाड़ियों को पदक, मैरिट सर्टिफिकेट, ट्रॉफी भेंट करना।

C-अधिकारियों तथा अन्य निकायों को भुगतान करना।

D-उधार ली गई वस्तुओं को संबंधित व्यक्तियों का वापस करना।

E-अंतिम प्रेस विज्ञप्ति रिपोर्ट तैयार करना।

F-आयोजन की अंतिम रिपोर्ट तैयार करना और उसे आथार्टी को प्रस्तुत करना।

G-भाग लेने वाली टीम को सर्टिफिकेट का वितरण

पाठगत प्रश्न 16.3

1) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

a) लेडर टाइप टूर्नामेंट ..... का एक प्रकार है।

b) नॉकआउट–कम–लीग टूर्नामेंट ..... का एक प्रकार है।

c) डबल लीग टूर्नामेंट ..... का एक प्रकार है।

d) सांत्वना–सांत्वना पहले और दूसरे प्रकार के टूर्नामेंट का प्रकार है।

2) निम्नलिखित कालमों का मिलान कीजिए।

1. खेल कौशल को प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करता है।	A. इस प्रकार के टूर्नामेंट प्रायः कुश्ती, टेबिल टेनिस, बैडमिंटन, तीरंदाज़ी, स्क्वैश आदि के लिए आयोजित किए जाते हैं।
2. कॉम्बीनेशन टूर्नामेंट	B. इस प्रकार के टूर्नामेंट नॉकआउट तथा लीग पद्धति का संयोजन हैं जो गतिविधि की उपयुक्तता पर निर्भर होता है।
3. लीग–कम–नॉकआउट टूर्नामेंट	C. टूर्नामेंट का महत्व
4. चैलेंज टूर्नामेंट	D. टूर्नामेंट के प्रकार

16.4 इंट्राम्यूरल्स (Intramurals)

'इंट्राम्यूरल्स' शब्द लैटिन भाषा के दो शब्दों 'इंट्रा' अर्थात् 'अंदर' तथा 'म्यूरस' अर्थात 'दीवार' से मिलकर बना है। इंट्राम्यूरल्स गतिविधियों सभी कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं का आधार होनी चाहिए। सभी विद्यार्थियों को उनके कौशलों की परवाह किए बगैर स्पर्धा करने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। इंट्राम्यूरल्स को विद्यालय के शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में मुख्य स्थान मिला है। इंट्राम्यूरल्स कार्यक्रम को एक अलग दृष्टिकोण से भी देखा जा सकता है। इंट्राम्यूरल्स को विद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के दिशा निर्देशों के अधीन होना चाहिए तथा छात्र संगीत, वाद–विवाद, नृत्य, सार्वजनिक भाषण तथा

टिप्पणी

ड्रामा (नाटक) जैसी सामान्य गतिविधियों में भाग लेकर इसमें भागीदारी कर सकते हैं। इंटर–क्लास, इंटर–हाउस तथा इंटर–हॉस्टल इत्यादि कुछ इंट्राम्यूरल्स स्तर की प्रतियोगिताएँ हैं।

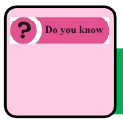

क्या आप जानते हैं ?

''प्रत्येक के लिए खेल तथा प्रत्येक खेल के लिए'' इसे आदर्श वाक्य के रूप में लिया जा सकता है।

इंट्राम्यूरल्स के उद्देश्य

इंट्राम्यूरल्स का महत्व

16.4.1 एक्स्ट्राम्यूरल

एक्स्ट्राम्यूरल खेलों में आपके अपने संस्थान अथवा स्कूल के बाहर की टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा शामिल है। एक्स्ट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं से प्रतिभावान खिलाड़ियों को खोजने में

टिप्पणी

सहायता मिलती है तथा अच्छे खिलाड़ियों को उच्चतर स्तरों पर खेलने का अवसर मिलता है। इंटर–स्कूल, इंटर–कालिज, इंटर–डिस्ट्रिक्ट, राज्य तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताएँ एक्स्ट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं के कुछ उदाहरण हैं।

एक्स्ट्राम्यूरल के उद्देश्य

Do you know

क्या आप जानते है ?

एक्स्ट्राम्यूरल शब्द भी दो लैटिन शब्दों ''एक्स्ट्रा'' अर्थात् 'बाहरी' तथा 'म्यूरल' अर्थात् 'दीवार' से बना है।

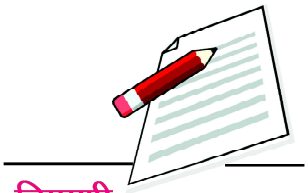

टिप्पणी

एक्स्ट्राम्यूरल का महत्त्व

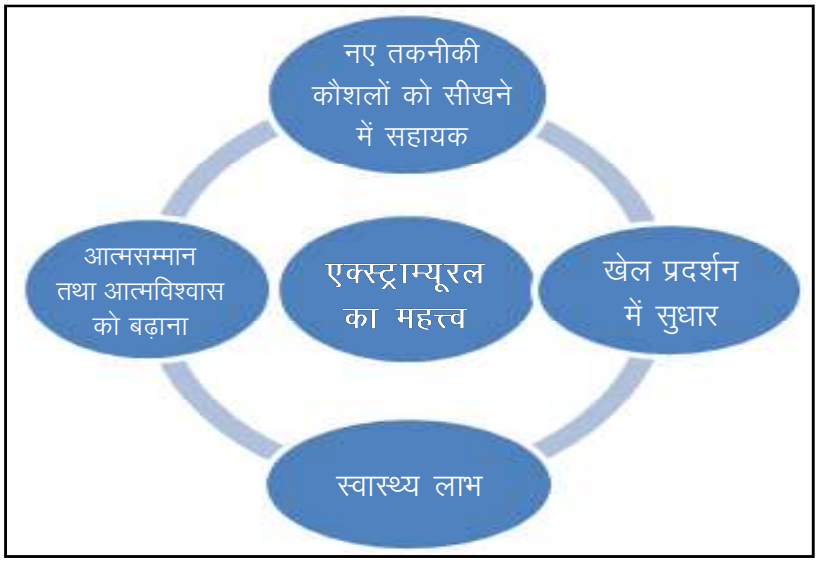

एक्स्ट्राम्यूरल्स तथा इंट्राम्यूरल्स के बीच अंतर

इंट्राम्यूरल	एक्स्ट्राम्यूरल
इंट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूल, कॉलेज, संस्थान द्वारा संस्थान, कॉलेज तथा स्कूल के परिसर के भीतर किया जाता है।	एक्स्ट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूल, कॉलेज, संस्थान, संगठन के द्वारा अन्य स्कूल, कॉलेज, के संस्थानों के साथ कराया जाता है।
इंट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं का प्रबंधन बहुत आसान होता है।	एक्स्ट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं का प्रबंधन इंट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं की अपेक्षा कठिन होता है।
इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता में किसी दूसरे स्कूल के छात्र भाग नहीं ले सकते।	इन प्रतियोगिताओं में अन्य स्कूलों के छात्र भी भाग ले सकते हैं। यह एक इंटर–स्कूल प्रतियोगिता भी है।
इंट्राम्यूरल प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्र एक दूसरे को जानते हैं।	एक्स्ट्राम्यूरल प्रतियोगिता अधिकांश छात्रा एक दूसरे से अनभिज्ञ होते हैं।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 16.4

1. इंट्राम्यूरल को परिभाषित कीजिए।

2. एक्स्ट्राम्यूरल को परिभाषित कीजिए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

   i) अंतरजनपदीय टूर्नामेंट ..... का एक प्रकार है।

   ii) अंतरक्लास टूर्नामेंट ..... का एक प्रकार है।

   iii) इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता से ..... के गुणों का विकास होता है।

4. कालम 'A' के कथनों को कालम 'B' के कथनों से मिलाइए।

1) इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता	A) अधिकांश छात्र एक दूसरे से अनभिज्ञा रहते हैं।
2) एक्स्ट्राम्यूरल प्रतियोगिता	B) आयोजन बहुत आसान होता है।
3) टीमों के बीच सामाजिक अंतः क्रिया को प्रोत्साहित करना	C) इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता
4) प्रतियोगिता के आयोजन में कम समय व धन की आवश्यकता होती है।	D) एक्स्ट्राम्यूरल प्रतियोगिता का उद्देश्य

आपने क्या सीखा

- टूर्नामेंट के चार प्रकार हैं जैसे नॉकआउट टूर्नामेंट, लीग अथवा राउंडरॉबिन टूर्नामेंट, कॉम्बीनेशन तथा चैलेंज टूर्नामेंट।
- टूर्नामेंट के चरण तथा टूर्नामेंट का आयोजन किस प्रकार किया जाता है।
- इन्ट्रम्यूरलः गतिविधि का योजन स्कूल परिसर में कक्षाओं अथवा हाउस के बीच कराया जाता है।
- एक्स्ट्राम्यूरल गतिविधि का आयोजन भिन्न–भिन्न स्कूलों/संस्थानों के बीच कराया जाता है।
- फिक्सचर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की एक सुनियोजित/योजनाबद्ध प्रक्रिया है।

- फिक्स्चर के प्रकार–नॉकआउट, लीग अथवा लेडर तथा सभी प्रकार के फिक्स्चर के लाभ एवं हानियाँ।

पाठांत प्रश्न

1. 13 टीमों के लिए नॉकआउट फिक्स्चर बनाइए।
2. 12 टीमों का एक लीग फिक्स्चर तैयार कीजिए।
3. टूर्नामेंट से आपका क्या अभिप्राय हैं ? टूर्नामेंट का महत्व तथा इसके प्रकारों की व्याख्या कीजिए।
4. इन्ट्राम्यूरल टूर्नामेंट किसे कहते हैं ? विद्यालय में किसी खेल का आयोजन किस प्रकार करेंगे?
5. विभिन्न प्रकार के फिक्स्चर की व्याख्या कीजिए तथा खेल के आयोजन में विभिन्न समितियों के कर्तव्यों का वर्णन कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

16.1

1. टूर्नामेंट खेलों या मैचों की ऐसी श्रंखला है जिसका उपयोग प्रतियोगिता के विजेता को चयनित करने के लिए किया जाता है।
2. i) नॉकआउट टूर्नामेंट

   ii) लीग टूर्नामेंट

   iii) चैलेंज टूर्नामेंट

   iv) कॉम्बीनेशन टूर्नामेंट
3. i) टूर्नामेंट खेल कौशलों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है।

   ii) टूर्नामेंट, लोगों को खेलों की ओर प्रेरित करते हैं।
4. लीग अथवा राउंड रॉबिन टूर्नामेंट व्यवस्था में एक टीम को टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य सभी टीमों के साथ खेलना होता है। अतः मैचों की संख्या बढ़ जाती है।

टिप्पणी

16.2

1. नॉकआउट फिक्सचर के लाभ
   1. कम खर्चीला
   2. कम समय की आवश्यकता
   3. खिलाड़ियों को कम थकान होती है।
   4. कम संख्या में आयोजकों की आवश्यकता
2. सीडिंगः सीडिंग कुछ विशेष टीमों अथवा खिलाड़ियों को दी जाती है जो पिछले वर्ष की विजेता या दूसरे स्थान पर रही हो।
3. विशेष सीडिंगः इस प्रकार की सीडिंग में सीडिड खिलाड़ी बिना कोई मैच खेले सीधे ही क्वार्टर या सेमीफाइनल में भाग लेते हैं।

16.3

1. a) चैलेंज टूर्नामेंट

   b) कॉम्बीनेशल टूर्नामेंट

   c) लीग टूर्नामेंट

   d) नॉकआउट टूर्नामेंट

2. 1-C, 2-D, 3-B, 4-A

16.4

1. शब्द "इंट्राम्यूरल" दो लैटिन शब्दों "इंट्रा" और का संयोजन है "मुरस"। इंट्रा का अर्थ है "भीतर" और मूरस का अर्थ "दीवार" है। इंट्राम्यूरल गतिविधियों को सभी कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आधार बनाना चाहिए।

2. एक्स्ट्राम्यूरल स्पोर्ट्स में आपके अपने संस्थान या स्कूल के बाहर की टीमों के साथ प्रतियोगिताएं शामिल होंगी"

3. (i) एक्स्ट्राम्यूरल (ii) इंट्राम्यूरल (iii) लीडरशिप

4. 1(B) 2(A) 3(D) 4(C)